सुविचार

सत्य के मार्ग पर चलते हुए व्यक्ति केवल दो ही गलतियां कर सकता है, पहली या तो पूरा रास्ता न तय करना, दूसरी या फिर शुरुआत ही न करना।
-गौतम बुद्ध

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक:- नागेश नरवरिया

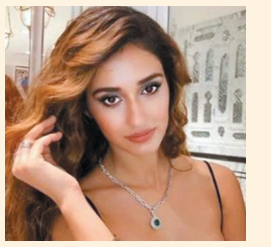

पेज -7

वर्ष 6, अंक 63 | भोपाल, शुक्रवार 20 अगस्त 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

देश का इतिहास राष्ट्रभक्तों की गाथाओं से भरा है: राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल ने आजादी के नायक-नायिकाओं पर विशेष आवरण जारी किया

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने डाक विभाग द्वारा फिलैटली दिवस पर मध्यप्रदेश के 6 अनसुने नायक-नायिकाओं पर जारी विशेष आवरण और विरूपण मुहर का अनावरण आज राज भवन में किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारे देश का इतिहास ऐसे राष्ट्रभक्तों की गाथाओं से भरा है, जिन्होंने अपने तप और त्याग से देश को नई दिशा दी है।

ऐसे नायक-नायिकाओं के सम्मान से समाज को प्रेरणा और प्रोत्साहन मिलता है। भावी पीढ़ी को समाज, प्रदेश और देश की सेवा का संकल्प और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने डाक विभाग द्वारा प्रदेश के अनसुने नायकों-नायिकाओं पर विशेष आवरण जारी करने के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदेश के राष्ट्र भक्तों टंट्या भील, गणेश प्रसाद वर्णी, हरि विष्णु कामथ, रतन कुमार गुप्ता, सहोदरा बाई राय और राधादेवी आजाद पर डाक विभाग के विशेष आवरण का अनावरण किया। चीफ पोस्ट मास्टर जनरल श्री जितेन्द्र गुप्ता ने आजादी के अमृत महोत्सव और विशेष आवरण के संबंध में बताया कि विशेष अवसर, व्यक्ति और घटना को अविस्मरणीय बनाने के लिए डाक विभाग द्वारा डाक टिकट जारी किया जाता है। विशेष परिस्थितियों में टिकट जारी नहीं होने की स्थिति में विशेष आवरण जारी किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की आजादी में योगदान देने वाले राष्ट्र भक्तों के योगदान का स्मरण कराने के लिए विशेष आवरण को जारी किया गया है। निदेशक मुख्यालय एस. शिवराम ने बताया कि राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन अक्टूबर में किया जाता है। सप्ताह के दौरान विभाग के उत्पादों का प्रचार-प्रसार किया जाता है। इस वर्ष 11 से 17 अक्टूबर के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव विभाग द्वारा मनाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के अनसुने नायकों-नायिकाओं की स्मृति में विशेष आवरण जारी किया गया है। सहायक निदेशक व्यवसाय श्री चन्द्रेश जैन ने आभार प्रदर्शन किया।

भारत को गति, शक्ति देगा गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान: मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में आत्म-निर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हम अगले 25 वर्षों के भारत की बुनियाद रख रहे हैं। ÷पी.एम. गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान÷ भारत के इसी आत्म बल और आत्म-विश्वास को आत्म-निर्भरता के विजन तक ले जाने वाला है। यह प्लान 21वीं सदी के भारत को गति एवं शक्ति देगा। नेक्स्ट जनरेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर और मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी से देश को गति शक्ति मिलेगी। अधोसंरचना से जुड़ी सरकारी नीतियों में योजना निर्माण से लेकर क्रियान्वयन कर तक को यह प्लान गति देगा। सरकार के प्रोजेक्ट समय-सीमा में पूरे हों, इसके लिए यह प्लान सही जानकारी और सटीक मार्ग-दर्शन प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज प्रगति मैदान दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान कार्यक्रम में मिंटो हॉल, भोपाल से वर्चुअली सम्मिलित हुए।

21वीं सदी का भारत पुरानी सोच को पीछे छोड़ कर आगे बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि गति शक्ति के इस महाभियान के केन्द्र में भारत के लोग, भारत के उद्योग-व्यापार जगत, निर्माता, किसान और भारत के गाँव हैं। यह भारत की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए 21वीं सदी के भारत के निर्माण को नई ऊर्जा देगा और अवरोधों को दूर करेगा। आज 21वीं सदी का भारत सरकारी व्यवस्थाओं की पुरानी सोच को पीछे छोड़कर आगे बढ़ रहा है। आज का मंत्र है %विल फॉर प्रोग्रेस, वर्क फॉर प्रोग्रेस, प्लान फॉर प्रोग्रेस, प्रिफ्रेंस फॉर प्रोग्रेस। अर्थात विकास की इच्छा-शक्ति, विकास के लिये कार्य, विकास के लिये योजना तथा विकास के लिए प्राथमिकता।

भोपाल में 1.5 लाख लोगों का वैक्सीनेशन

सोमवार को 800 सेंटर पर लगेगा टीका

25 सेंटर पर कोवैक्सिन का सिर्फ दूसरा डोज लगेगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में 21 जून से वैक्सीनेशन का महाअभियान शुरू होगा। इसके तहत भोपाल में पहले दिन एक दिन में डेढ़ लाख लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. उपेन्द्र दुबे ने बताया कि राजधानी में सोमवार को 800 सेंटर पर वैक्सीनेशन होगा। उन्होंने बताया, 25 सेंटर पर कोवैक्सिन का दूसरा डोज लगाया जाएगा। इन सेंटर पर 3 हजार से ज्यादा स्टाफ तैनात रहेगा। सभी सेंटर पर सुबह 9 बजे से वैक्सीनेशन शुरू हो जाएगा। ऐसे लोग जिनके पास आधार कार्ड नहीं हैं, वे वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, पेनकार्ड, पासपोर्ट, पेंशन पासबुक, बैंक पासबुक आदि के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। भोपाल में अलग-अलग विभाग द्वारा एक नोडल और आदर्श वैक्सीनेशन केंद्र भी बनाया जा रहा है। कई संस्थाओं ने कुछ केंद्रों पर पेयजल, नाश्ते की भी व्यवस्था की है। सभी केंद्रों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं। सेल्फी लेकर फोटो पोस्ट करें और जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज निभाएं।

नर्सिंग होम्स में भी सेंटर

सोमवार को राजधानी के 70 से 80 नर्सिंग होम्स में वैक्सीनेशन के सेंटर बनेंगे। इसके अलावा नगर निगम की तरफ से 255 सेंटर, एसडीएम के द्वारा ग्रामीण और शहर दोनों में 210 सेंटर, स्वास्थ्य विभाग के 190 स्थायी सेंटर, बैरसिया में पंचायतों में 85 सेंटर और गांधी नगर फंदा ब्लॉक में 52 सेंटर बनेंगे।

वैक्सीन लगवाएं, 15% की छूट पाएं: भोपाल में 21 जून को टीका लगवाने पर रेस्टोरेंट में डिस्काउंट, सेंटर्स पर तीन लोगों को फ्री मोबाइल रिचार्ज

यहां लगेगा कोवैक्सिन का दूसरा डोज

45+ के लोगों के लिए 10 और 18+ के लिए 15 सेंटर पर कोवैक्सिन का दूसरा डोज लगाने की सुविधा होगी। 45+ के लिए सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल, मिसरोद, 25, बटालियन कैंपस, भदभदा, सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल विद्या विहार, सीडी वल्लभ भवन, पुलिस फैमिली वेलफेयर सेंटर पीएचक्यू, बाणगंगा वार्ड नंबर-25 टीटी नगर, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल एमपी नगर, आंकोलॉजी ब्लॉक एम्स, सीडी राजभवन टीटी नगर, सीआरपीएफ मेंस क्लब बंगरसिया। इसके अलावा 18+ के लिए कोपल हायर सेकेंडरी स्कूल, नेहरू नगर, सेंट राफेल स्कूल जाटखेड़ी, आनंद राम टी शाहनी स्कूल, सेवा सदन कैंपस, बैरागढ़, सेंट्रल लाइब्रेरी इतवारा, सरस्वती शिशु मंदिर अशोका गार्डन, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल कोटरा, एमपीटी लैक व्यू रेसिडेंसी टीटी नगर, सीडी वल्लफ भवन, राज भवन टीटी नगर, फॉरेस्ट गेस्ट हाउस एमपी नगर, नवीन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल तुलसी नगर, ऑनकोलॉजी ब्लॉक एम्स, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल निशातपुरा, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल सरदार पटले करोंद।

साढ़े 11 लाख को लगी वैक्सीन

भोपाल में 19 जून तक 11 लाख 49 हजार लोगों को पहला और दूसरा डोज लगा है। इसमें पहला डोज 9 लाख 74 हजार 967 और दूसरा डोज 1 लाख 74 हजार 882 लोगों को लगा है।

वैक्सीनेशन के लिए घर-घर जाकर दिए पीले चावल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा बोले– सरकार के वैक्सीन सेंटर पर भाजपा कार्यकर्ता हेल्प डेस्क लगाकर जनता की मदद करेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के लिए 21 जून से वैक्सीनेशन का महाअभियान शुरू हो रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभियान में सभी को जुड़ने की अपील की है। इसके तहत ही रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने महाअभियान में ज्यादा से ज्यादा संख्या में टीके लगवाने की अपील प्रदेश की जनता से की।

उन्होंने भोपाल के बाणगंगा स्थित वार्ड संख्या 25 में घर-घर पहुंचकर पीले चावल देकर वैक्सीन लगवाने के लिए आमंत्रित किया। विष्णुदत्त शर्मा ने लोगों को टीका लगवाने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में

18 साल से ज्यादा उम्र के नागरिकों को निशुल्क वैक्सीन लगाने का जो अभियान चलाया है, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं। शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश में 7 हजार सेंटर बनाकर वैक्सीनेशन के जिस महाअभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं, उसी के लिए हम घर-घर जाकर, पीले चावल डालकर लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं, जागरूक कर रहे हैं। उन्हें बता रहे हैं कि कोरोना से बचना है, तो वैक्सीन लगवाना है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए सेंटरों पर भाजपा के कार्यकर्ता हेल्प डेस्क लगाकर जनता की मदद करेंगे। अधिक से अधिक वैक्सीनेशन हो, उसके लिए पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर जागरूक करने का काम करेंगे। वैक्सीनेशन हमारा लक्ष्य है और एक महाअभियान है। जिसे प्रदेश सरकार ने गति देने का काम किया है। इस अभियान को और अधिक ताकत देने का काम पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता करेगा।

मप्र में झमाझम बारिश

इंदौर, खंडवा, देवास, राजगढ़ और होशंगाबाद तरबतर, रीवा और उज्जैन में भारी बारिश की संभावना

भोपाल। मध्यप्रदेश में मानसूनी बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को मानसून ने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया। इसके साथ ही प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने रविवार को भी प्रदेश में हल्की और मध्यम बारिश की संभावना जताई है। रविवार दोपहर इंदौर, राजगढ़, देवास, होशंगाबाद और खंडवा में हल्की बारिश हुई। इसके अलावा रीवा-उज्जैन संभाग में भारी बारिश हो सकती है। वहीं गुना, विदिशा, मुरैना में मौसम सामान्य है। भोपाल में सुबह से बादल छाए हैं। मौसम वैज्ञानिक पीके शाह ने बताया कि साउथ ईस्ट राजस्थान और पश्चिम मध्यम प्रदेश में ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। इसके अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी सिस्टम बना हुआ है। इसके चलते रीवा संभाग और उज्जैन संभाग के कई हिस्से में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। साथ ही बाकी प्रदेश में हल्की और मध्यम बारिश हो सकती है। बता दें शनिवार को मानसून ने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया। प्रदेश में 10 जून को मानसून आ गया था, लेकिन ग्वालियर और चंबल संभाग के कुछ हिस्से में मानसून नहीं अब तक नहीं पहुंचा था। शनिवार को दोनों संभाग के बचे हिस्से को भी मानसून ने कवर कर लिया।

24 घंटे में यहां हुई बारिश

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में रविवार को बारिश दर्ज की। इसमें दतिया में 30.8 एमएम, श्योपुर में 5.0 एमएम, नरसिंहपुर में 2.0 एमएम, सतना में 14.7 एमएम, रीवा में 21.6 एमएम, सीधी में 5.6 एमएम, भोपाल में 1.2 एमएम, रतलाम में 4.0 एमएम, शाजापुर में 2.2 एमएम, टीकमगढ़ में 11.0 एमएम, पचमढ़ी में 9.2 एमएम, खजुराहो में 1.8 एमएम, उज्जैन में 5.0 एमएम, मलाजखंड, जबलपुर, इंदौर में बूंदाबांदी दर्ज की गई।

लाहरपुर में विवाहिता ने फांसी लगाई, पिपलानी में महिला ने जहर खाया

भोपाल। कटारा हिल्स के लहरपुर में रहने वाली 30 साल की पूजा पवार ने शनिवार शाम को घर में फांसी लगाकर जान दे दी। उसने किन कारणों से यह कदम उठाया। उसका कारण सामने नहीं आया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार पूजा पवार को शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे परिजनों ने उसे फांसी पर लटका देखा था, वह उसे उतारकर एम्स अस्पताल ले गए। जहां पर डाक्टर ने चेक कर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पति के दोस्त आए थे, वह उनसे मिलने के लिए चला गया था। जब वापस लौटा तो उसने पत्नी को फंदे पर लटका देखा। पूजा की शादी को नौ साल हो गए थे। उनका कोई बच्चा नहीं था। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। कटारा हिल्स थाने के एएसआइ खेत सिंह का कहना है कि पूजा जिस मकान में रहती थी, उसका मकान मालिक दिल्ली में रहता है। इन लोगों को देखभाल के लिए मकान में रखा था। इधर, पिपलानी के कृष्णा नगर में रहने वाली 40 साल की उषा शर्मा ने शनिवार रात को दस बजे जहरीला पदार्थ खा लिया था। तबियत बिगड़ने के बाद उसने परिजनों को जहर खाने के बात बताई। परिजनों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया था।

हबीबगंज स्टेशन के अंदर की पहली तस्वीर

देश का पहला एयरपोर्ट जैसा रेलवे स्टेशन, 1200 से ज्यादा यात्रियों के बैठने की जगह

भोपाल। हबीबगंज स्टेशन के अंदर की पहली तस्वीर... दैनिक भास्कर ने इसे अपने पाठकों के लिए खासतौर पर एयर कॉन्कोर्स की लाइट्स ऑन करवाकर क्लिक कराया है। हबीबगंज स्टेशन के अंदर की पहली तस्वीर... दैनिक भास्कर ने इसे अपने पाठकों के लिए खासतौर पर एयर कॉन्कोर्स की लाइट्स ऑन करवाकर क्लिक कराया है। हबीबगंज देश का पहला प्राइवेट रेलवे स्टेशन है, ये इस साल तैयार हो जाएगा हबीबगंज रेलवे स्टेशन री-डेवलपमेंट के बाद काफी बदला नजर आएगा। स्टेशन पर अब हर जगह कैमरों की नजर रहेगी। कोई भी ब्लाइंड स्पॉट नहीं होगा। महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। शाम के समय लाइटिंग के बाद स्टेशन की नई बिल्डिंग काफी आकर्षक दिखती है। यहां कॉन्कोर्स (बड़े वेटिंग एरिया) से लेकर वेटिंग एरिया व प्लेटफॉर्म तक 1200 से ज्यादा यात्रियों के बैठने की जगह है।

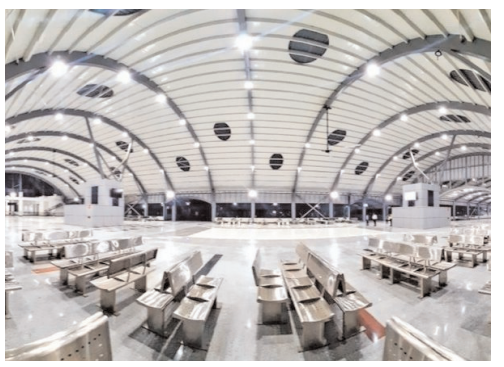

भोपाल का हबीबगंज रेलवे स्टेशन

- स्टेशन पर 150 की जगह 162 हाई रिजोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं।
- एयर कॉन्कोर्स पर एक साथ 720 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था रहेगी।
- दो वेटिंग रूम्स में 75-75 यानी एक साथ 150 यात्री बैठ सकेंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मिले लेफ्टिनेंट जनरल अतुल्य सोलंकी

भोपाल। भारतीय सेना के प्रतिष्ठित सुदर्शन चक्र कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल अतुल्य सोलंकी ने गत दिवस लखनऊ में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। बातचीत के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कोविड-19 महामारी की स्थिति के दौरान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों की मदद करने में सुदर्शन चक्र कोर के योगदान के बारे में उल्लेख किया, जिसमें मध्य प्रदेश के भोपाल, सागर और ग्वालियर और उत्तर प्रदेश के झांसी में आम मरीजों और नागरिकों के लिए एडहॉक आइसोलेशन केंद्रों की स्थापना और इसके अलावा सिविल अस्पतालों में महत्वपूर्ण जीवन रक्षक उपकरणों की मरम्मत और इन दोनों राज्यों में विभिन्न स्थानों पर आवश्यक दवाओं और उपकरणों का प्रावधान भी शामिल है। उन्होंने भारतीय सेना और डीआरडीओ को उनके पेशेवर दृष्टिकोण और लखनऊ में एक समर्पित कोविड केयर अस्पताल की स्थापना में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए भी बधाई दी।

भोपाल में रिपोर्ट से पहले आ गई मौत!

हमीदिया में संक्रमित ब्लैक फंगस पीड़िता की मौत में खुलासा

भांजा बोला– ऑपरेशन कराने के लिए निगेटिव रिपोर्ट का पूछते रहे, जवाब तक नहीं मिलता था

भोपाल। मई में मेरी मामी दीपा कनोजिया की तबीयत बिगड़ी। ऑक्सीजन लेवल अचानक तेजी से घटा। सागर में ही एक अस्पताल में ले गए जहां कोरोना का ट्रीटमेंट दिया जाने लगा। पता चला कि उन्हें तो ब्लैक फंगस भी है।

डॉक्टरों ने भोपाल शिफ्ट करने के लिए कह दिया। हमें लगा कि बड़े शहर में अच्छे से इलाज हो जाएगा। बगैर देरी किए हमीदिया में 22 मई को भर्ती करा दिया। बावजूद, कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट को लेकर बहुत लापरवाही की गई। हम पूछते ही

रह गए कि निगेटिव रिपोर्ट आई या नहीं। आया तो क्या आया। हमें कोई ठीक से जवाब नहीं देता या फिर देता ही नहीं। हम रिपोर्ट का इंतजार करते रहे क्योंकि वह रिपोर्ट आने पर ही ब्लैक फंगस का ऑपरेशन हो सकता था। ऑपरेशन की तारीख और रिपोर्ट तो नहीं आई लेकिन 1 जून को हमने मामी को खो दिया। सरकार से यही चाहते हैं कि तड़पते हुए ऐसी जान सिर्फ इसलिए चली गई क्योंकि अस्पताल के पास उपकरण नहीं थे। उम्मीद है कि आगे ऐसी कोई जान नहीं जाएगी। बता दें अस्पताल में पिछले 20 दिनों में ऐसे तीन से ज्यादा मरीजों की मौत हो गई है। अभी अस्पताल में कोरोना संक्रमित ब्लैक फंगस से पीड़ित 3 मरीज भर्ती हैं। इस मामले की पड़ताल में पता चला कि हमीदिया अस्पताल में ब्लैक फंगस से संक्रमित मरीजों के लिए मई माह में पीक के समय तीन ओटी में लगातार ऑपरेशन चले।

छिंदवाडा, विदिशा राजगढ, नर्मदापुरम, अशोकनगर, सीहोर, सागर, गुना, हरदा और बैतूल में प्रार्थना की गई

भोपाल। प्रदेश के लोगों में हमेशा ही गजब की संवेदनशीलता और अपनापन दिखा है। कोरोना जैसी आपदा में भी लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक दूसरे की मदद की।

यह संवेदना कोरोना से मिले दर्द में किसी मरहम से कम नहीं रहा। इस महामारी ने हजारों लोगों को हमसे छीन लिया। हम उन्हें श्रद्धांजलि तक नहीं दे पाए। नवदुनिया की तरफ से 14 जून सोमवार को सुबह 11 बजे सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया है। भोपाल संस्करण के जिले छिंदवाडा, राजगढ, नर्मदापुरम, अशोकनगर, सीहोर, सागर, गुना, हरदा और बैतूल में विभिन्न स्थानों पर सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया है। इसमें सभी ने भाग लिया और दो मिनट मौन रखकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी और कोरोना योद्धाओं और कोरोना पीड़ितों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गई।

मंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले, कश्मीर को अस्थिर करना चाहते हैं कांग्रेस और दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय सिंह द्वारा धारा 370 को लेकर दिए गए बयान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद कश्मीरी पंडित फिर वापस कश्मीर लौट रहे हैं, जो दिग्विजय सिंह जैसे नेता बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

दिग्विजय धारा 370 का समर्थन कर कश्मीरी पंडितों और हिंदूओं को डरा रहे हैं। कांग्रेस और दिग्विजय सिंह कश्मीर को फिर अस्थिर करना चाहते हैं। मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने यह भी कहा कि आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत के बयानों की तुलना दिग्विजय सिंह से करना निरर्थक है। भागवत जी या भाजपा मुसलमानों की विरोधी नहीं हैं। हमारा विरोध उस मानसिकता और विचारों से है, जो देश में रहकर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हैं और आतंकवाद को पनाह देते हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के

बाद कश्मीरी पंडित फिर वापस कश्मीर लौट रहे हैं जो दिग्विजय सिंह जैसे नेता बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

28 धारा 370 का समर्थन कर कश्मीरी पंडितों और हिंदूओं को डरा रहे हैं। @INCIndia और दिग्विजय सिंह कश्मीर को फिर अस्थिर करना चाहते हैं। मंत्री मिश्रा ने कहा कि कोविड19 के मामले में मध्य प्रदेश में रोजाना सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में 516 मरीज स्वस्थ हुए हैं, जबकि नए पाजिटिव केस 242 आए हैं।

पूर्व विधायक की पोती ने खुद को मारी गोली

■ पिता को बंदिशें पसंद नहीं और मां रोक-टोक करती थी, इसलिए घर में होती रहती थी रार; तंग आयी बेटी ने कट्टे से मार ली खुद को गोली

भिंड। लहार से भाजपा के सीनियर नेता और पूर्व विधायक रसाल सिंह की पोती काजल ने रविवार शाम को खुदकुशी के इरादे से खुद को गोली मार ली। फिलहाल, घायल काजल को ग्वालियर के जन आरोग्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। उधर, मामले की जांच को लेकर लहार स्ष्ठह्रक्क अवनीश बंसल समेत अन्य पुलिस बल ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में पुलिस ने कट्?टा भी बरामद कर लिया है। घटना रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे की है। गोली चलने की आवाज के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिक जानकारी लेने के बाद लौट गई। इस बीच काजल के परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया। सोमवार सुबह फिर से पुलिस, रसाल सिंह के निवास स्थल मयूरवन नरिया, ग्राम रहावली पहुंची। यहां पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस को कमरे में कट्?टा मिला। कट्टे के अंदर गोली चलने का कवर फंसा था। पड़ताल में सामने आया है कि माता-पिता के आपसी विवाद से परेशान होकर काजल ने खुद को गोली मारी ली।

माता-पिता के झगड़े से परेशान थी बेटी

SDOP अवनीश बसंल के मुताबिक काजल के पिता शिशुपाल पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में पैरोल पर बीते कुछ समय से बाहर है। शिशुपाल अपने दोस्तों के साथ घूमने फिरने के आदी हैं। यह बात शिशुपाल की पत्नी को पसंद नहीं है। इसी बात को लेकर घर में आए दिन झगड़ा होता था। रविवार को शिशुपाल ने गुस्से में घर में कह दिया था कि इतनी बंदिशें मुझ पर लगाई, तो खुद को गोली मार लूंगा। यह बात सुनकर काजल खफा हो गई। उसने खुद को कटटे से गोली मार ली।

MP को मिले वैक्सीन के 8.37 लाख डोज

कोवैक्सिन के सिर्फ 2 लाख; दूसरा डोज लगाने वालों को परेशानी, पहला डोज सिर्फ कोवीशील्ड का लगेगा ; CM बोले- जुलाई में मिलेगी पर्याप्त वैक्सीन

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस सप्ताह के लिए वैक्सीन का स्टॉक हो गया है, लेकिन कोवैक्सिन का दूसरा डोज लगवाने वालों के लिए मांग के हिसाब से वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो पा रही है। रविवार को 8 लाख 37 हजार डोज मिले हैं। इसमें से कोवैक्सिन के सिर्फ 2 लाख डोज हैं। यही वजह है कि प्रदेश में पहला डोज कोवीशील्ड का लगाया जाएगा। इसके लिए ज्यादा सत्र आयोजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वैक्सीनेशन का नया रोडमैप बनाया जा रहा है। 18 से 44 साल तक के लोगों के लिए 21 जून से वैक्सीन केंद्र सरकार उपलब्ध कराएगी।

इसके बाद जुलाई से प्रदेश को पर्याप्त डोज उपलब्ध हो जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग इसको लेकर तैयारी कर रहा है। कोरोना की दूसरी लहर काबू में आने के बाद अब सरकार वैक्सीनेशन पर फोकस कर रही है। इसको लेकर मंत्रियों के साथ चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ाई में वैक्सीनेशन अत्यंत आवश्यक है। कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के लिए वैक्सीनेशन को जन अभियान कैसे बनाएं यह विचार करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन को हमें रिकार्ड समय में पूरा करना है। अधिक से अधिक वैक्सीनेशन हो, कैसे एक निश्चित

समय सीमा में इस पर हमें विचार करना है। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. संतोष शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में वैक्सीन की कमी को खारिज करते हुए कहा कि हर दिन पूरे प्रदेश में करीब सवा लाख लोग वैक्सीन लगवाने के लिए आ रहे हैं।

इस लिहाज से पर्याप्त टीका उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि अब ज्यादा फोकस दूसरा डोज लगवाने को लेकर है। भोपाल में सोमवार को 40 हजार लोगों को टीका लगाने का टारगेट रखा गया है। इसके लिए करीब 160 सेंटर केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा नगर निगम और स्ष्ठरू के अधीन 125 टीमें रहेंगी। यह टीमें पहला और दूसरा दोनों डोज हर उम्र वर्ग में लगाएंगी। इस तरह करीब 280 सत्र आयोजित किए गए हैं, जो अब तक के सर्वाधिक हैं। लक्ष्य के अनुरूप वैक्सीनेशन हुआ तो सोमवार को रिकार्ड बन सकता है। अभी तक भोपाल में एक दिन में सर्वाधिक 40,244 लोगों को वैक्सीन लगाने का रिकार्ड है।

अफेयर के शक में पिता ने डांटा तो पीया जहर

■ उल्टी-दस्त की शिकायत बताकर बेटी को कोरोना संदिग्ध वार्ड में करा दिया एडमिट, शरीर नीला पड़ा तो सच आया सामने; युवती की मौत

जबलपुर। जबलपुर में अफेयर के शक में पिता ने डांटा तो बेटी ने जहर खा लिया। इसके बावजूद पिता ने उल्टी-दस्त की शिकायत बताकर बेटी को कोरोना संदिग्ध वार्ड में भर्ती करा दिया। यहां जब जहर का असर तेज हुआ और बेटी का शरीर नीला पड़ने लगा तब जाकर सच सामने आया। टीआई कुंडम प्रताप सिंह मरकाम के मुताबिक अभी प्रारंभिक जानकारी में पिता द्वारा डांटने की बात सामने आई है। युवती को उसके पिता ने मोबाइल पर किसी से बात करते देखा था और फिर डांटा था।

ओमती पुलिस से मर्ग डायरी मिलने पर आगे जांच की जाएगी। दरअसल, दमौड़ी गांव निवासी गायत्री बैगा (24) ने 7 जून को घर पर ही जहर खा लिया। उल्टी होने पर पिता सुम्मत सिंह उसे विक्टोरिया जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां परिवारवालों ने डॉक्टरों को बताया कि युवती को कुछ दिनों से सर्दी-बुखार था। अब उल्टी-दस्त से पीड़ित है। डॉक्टर ने भी बताए गए लक्षणों के आधार पर उसे कोविड सस्पेक्टेड वार्ड में भर्ती करा दिया। कोविड सस्पेक्टेड वार्ड जहां युवती को भर्ती कराया गया था। जब युवती की हालत बिगड़ने लगी और उसका शरीर नीला पड़ गया तब डॉक्टरों को शक हुआ।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का कल से श्रद्धालु के लिए खुला

मंगलवार सुबह 10.46 बाद खुलेंगे मंदिर के पट, वैक्सीनेशन कराने वाले को ही दर्शन की अनुमति; सोशल डिस्टेंस के लिए बनाए गोले

खंडवा। कोरोना दूसरी लहर की शुरुआत से बंद ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर मंगलवार को खुलेगा। लाभ-शुभ की विशेष बेला में सुबह 10.46 से 12-28 के बीच आम भक्तों के लिए मंदिर के पट खुलेंगे। इससे पहले सोशल डिस्टेंस के लिए मंदिर परिसर में गोले बनाए जा रहे है तो निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों को दुरूस्त किया जा रहा है। मंदिर में प्रवेश से पहले श्रद्धालुओं को वैक्सीन

सर्टिफिकेट लाना अनिवार्य होगा। सर्टिफिकेट जांचने अलग से चेकिंग पाइंट बनाया है। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के पट मंगलवार से खुल जाएंगे। संस्थान द्वारा दर्शन की नई व्यवस्था की जा रही है, जिसकी तैयारियां अब अंतिम दौर में है। मंदिर संस्थान के सीईओ व एसडीएम चंदरसिंह सोलंकी ने बताया विद्वान ज्योतिषाचार्यो के माध्यम से शुभ मुहूर्त निकाला गया है। मंगलवार सुबह 10: 46 से 12:28 के बीच लाभ-शुभ की विशेष बेला में आम भक्तों को दर्शन कराने की शुरुआत होगी।

मंदिर में प्रवेश से पहले ये रहेगी व्यवस्था

आम भक्तों के लिए खुलने से पहले मंदिर परिसर की विशेष साफ-सफाई की गई है। दोनों पैदल पुलों व मंदिर परिसर में जहां पर अधिक भीड़भाड़ होती है, वहां सोशल डिस्टेंसिंग के गोले बनाए जा रहे हैं। साथ ही झूला पुल पर जहां जूता चप्पल स्टैंड उस स्थान पर चेकिंग पॉइंट रहेगा। यहीं पर वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट चेक किया जाएगा। प्रत्येक श्रद्धालु ऑटो सेंसर सैनिटाइजर मशीन से सैनिटाइज होगा। इसके बाद पुराने पुल के पास बड चौक में भी वैक्सीनेशन चेकिंग पॉइंट रहेगा और रस्सी डिवाइडर बनाएंगे। आने जाने की व्यवस्था अलग-अलग रहेगी। सीसीटीवी कैमरो को चेक करके दुरुस्त किया है। पूरे परिसर में बैरिकेडिंग की गई हैं।

जिले में अब तक 166.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायसेन। जिले में 1 जून से 19 जून तक 166.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 9.3 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 1 जून से 19 जून तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 270 मिलीमीटर, गैरतगंज में 81.6, बेगमगंज में 145.8, सिलवानी में 160.2, गौहरगंज में 192, बरेली में 108, उदयपुरा में 248.8, बाड़ी में 130.5, सुल्तानपुर में 85.6 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 242.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 19 जून को प्रातः 8 बजे तक 8.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केंद्र रायसेन में 20 गैरतगंज में, सिलवानी में 6, गौहरगंज में 27, बरेली में 2, उदयपुरा में 13.3, बाड़ी में 3, सुल्तानपुर में 9 तथा वर्षामापी केंद्र देवरी में 6.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

बिना वैक्सीन लगवाए दुकान नहीं खोल पाएंगे, पेट्रोल नहीं मिलेगा

बेगमगंज। कोविड-19 की तीसरी लहर से बचाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। तीसरी लहर से पहले शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन के लक्ष्य को लेकर अधिकारी अब सख्त हो गए हैं। शासकीय योजनाओं का लाभ हो या बैंक से पैसे निकालने की बात हो अथवा दुकानों पर सामग्री खरीदना या बेचना हो सभी में वैक्सीनेशन को जरूरी किया जा रहा है। इसको लेकर धार्मिक गुरुओं, पत्रकारों, समाजसेवियों से भी सहयोग लिया जा रहा है। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने वैक्सीनेशन को लेकर एसडीएम अभिषेक चौरसिया, तहसीलदार एनएस परमार, टीआइ को कमान सौंपी है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में सेंटर बनाए गए हैं जहां प्रत्येक सेंटर पर 1 दिन में 200 लोगों को वैक्सीन लगाए जाने का लक्ष्?य रखा गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने शासकीय कर्मचारियों को वैक्सीन लगवाने के लिए समय दिया है वहीं शहर के छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों को यह चेताया है कि यदि एक 21 जून तक उन्होंने व्यक्ति ने नहीं लगवाई तो 22 तारीख से भी अपना व्यवसाय नहीं खोल पाएंगे। बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के जो दुकानदार पाया जाएगा उसकी दुकान 5 दिन के लिए सील की जाएगी। यही स्थिति पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने वालों, बैंक में पैसा जमा या निकालने वालों के साथ भी कि जाना है।

आज वर्ष का सबसे बड़ा दिन 13 घंटे 33 मिनट व 42 सेकंड का होगा

रायसेन। सोमवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस होने के साथ ही यह दिन कर्क रेखा पर रहने वाले लोगों के लिए भी खास होगा। 21 जून को कर्क रेखा से सूर्य ठीक सामने होने के कारण साल का सबसे बड़ा दिन 13 घंटे 33 मिनट व 42 सेकंड का होगा। इस कारण रात छोटी होगी। यह बात प्रदेश की विज्ञान प्रसारक राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त सारिका घारू ने नवदुनिया से खास बातचीत में कही। सारिका ने बताया कि भूममध्यरेखा के उत्तर में 23.5 एल्टीट्यूड पर स्थित पृथ्वी के 16 देशों से और भारत के 8 राज्यों में और मध्यप्रदेश के 14 जिलों से होकर गुजरने वाली कर्क रेखा के ठीक ऊपर ?21 जून 2021? को सूर्य आ रहा है। इस कारण उत्तरी गोलार्द्ध में आज दिवस की अवधि सबसे लंबी तथा रात सबसे छोटी होगी। मप्र के रतलाम, उज्जैन, आगरमालवा, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, कटनी, जबलपुर, उमरिया तथा शहडोल जिलों में से होकर जाने वाली इस रेखा पर सूर्य की उत्तरायण यात्रा का अंतिम दिन होगा। कल से सूर्य वापस दक्षिण दिशा की ओर जाने का आभास होगा। इसे दक्षिणायन कहा जाता है। सारिका ने बताया कि भूमध्य रेखा के 23.43 डिग्री उत्तर में स्थित इस काल्पनिक रेखा का नामकरण लगभग दो हजार साल पहले किया गया था। जब इसका नामकरण किया गया था तब सूर्य कर्क तारामंडल ?में था। पृथ्वी के प्रसेशन ऑफ इक्वेनॉक्स की घटना के कारण अब इस समय सूर्य वृषभ तारामंडल में रहता है। अगर आज इस रेखा का नामकरण किया जाता तो इसे वृषभ रेखा नाम दिया जा सकता था। सारिका ने जानकारी दी कि विश्व की दो नदियां कांगो तथा माही कर्क रेखा को दो बार पार करती है। जिनमें से एक मध्यप्रदेश की माही नदी है। यह मप्र के धार जिले से आरंभ होकर कर्क रेखा को काटती हुई राजस्थान की तरफ जाती है। वहां से यह गुजरात में प्रवेश करके पुनः कर्क रेखा को काटती है। सारिका ने बताया कि ऑक्सीजन तथा ऊर्जा देने वाली प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के लिए सूर्यप्रकाश जरूरी घटक होता है तो पौधे आज देर तक ऑक्सीजन देंगे। विटामिन डी देने वाले सूर्य के प्रकाश का आज सबसे ज्यादा लाभ उठाएं।

- भारत के 8 राज्य से कर्क रेखा गुजरती है: मिजोरम, त्रिपुरा, वेस्ट बंगाल, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान व गुजरात।
- विष्व के 16 देशों से होकर कर्क रेखा गुजरती हैः बहामास इजिप्ट, सउदी अरेबिया, चीन, अल्जेरिया, नाइजर, लीबिया, दुबई, ओमान, बंगलादेश, भारत, म्यांमार, ताइवान, मेक्सिको, मारिटानिया, माली।
- सूर्य उदय व अस्त का समयः आज उज्जैन में सूर्य प्रातः 5 बजकर 41 मिनट पर उदित होकर शाम 7 बजकर 15 मिनट पर अस्त होगा। इस प्रकार दिवस 13 घंटे 33 मिनट और 42 सेकंड का होगा जो कि साल का सबसे लंबा दिवस होगा। भोपाल में सूर्य प्रातः 5 बजकर 35 मिनट पर उदित होकर शाम 7 बजकर 9 मिनट पर अस्त होगा, इस प्रकार दिवस 13 घंटे 34 मिनट और 2 सेकंड का होगा। होशंगाबाद में सूर्य प्रातः 5 बजकर 34 मिनट पर उदित होकर शाम 7 बजकर 6 मिनट पर अस्त होगा, इस प्रकार दिवस 13 घंटे 31 मिनट और 53 सेकंड का होगा। इंदौर में सूर्य प्रातः 5 बजकर 42 मिनट पर उदित होकर शाम 7 बजकर 14 मिनट पर अस्त होगा, 13 घंटे 31 मिनट और 44 सेकंड का दिन होगा। खरगौन में सूर्य प्रातः 5 बजकर 47 मिनट पर उदित होकर शाम 7 बजकर 13 मिनट पर अस्त होगा।

खाद व बीज की बढ़ी कीमतों के बावजूद बोवनी में जुटे किसान

रायसेन/बेगमगंज। इस बार किसानों को सोयाबीन का बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। बाजार में व्यापारियों के पास अनप्रमाणित बीच 9000 से 10000 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। इसकी कोई गारंटी भी नहीं है। अधिकारियों ने बाजार में बिकने वाले बीच की जांच भी नहीं की है। इस कारण से किसान बीज लेने में हिचकिचा रहे हैं। उसके बावजूद कई किसान महंगा बीज और महंगी खाद खरीदकर बोवनी में जुट गए हैं। उन्हें यह डर भी सता रहा है कि यदि अधिक बारिश हो गई तो बीज खराब हो जाएगा और दोबारा बोवनी करने में तो उनकी हालत ही खस्ता हो जाएगी। यही वजह है कि अधिकतर किसान सोयाबीन की बोनी करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं और उनका रुझान धान की तरफ बढ़ गया है। जिले में इस बार दो लाख 30 हजार हेक्टेयर में धान, 90 हजार हेक्टेयर में सोयाबीन, 35 हजार हेक्टेयर में अरहर, 20 हजार हेक्टेयर में उड़द और 13 हजार हेक्टेयर में मक्का की बोवनी का लक्ष्य रखा गया है। कुल तीन लाख 96 हजार हेक्टेयर में खेती होगी। किसान मानसून की बारिश जल्द आने का फायदा उठाते हुए अधिकांश क्षेत्र में धान की बोवनी कर रहे हैं। पूसा बासमती धान की बोनी ज्यादातर किसान कर रहे हैं ताकि उन्हें अच्छे दाम मिल सकें। पिछले साल बासमती धान तीन हजार रुपये क्विंटल बिकी थी और साधारण धान दो हजार रुपये क्विंटल बिकी थी। शासन की ओर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी दो हजार रुपये क्विंटल की जाती है। इसलिए किसान बासमती धान की बोवनी करके ज्यादा कीमत पर बिक्री करते हुए लाभ कमाते हैं। जो धान कमजोर पैदा होती है या साधाराण धान को समर्थन मूल्य पर बेच देते हैं। इसलिए किसानों को धान की खेती मुनाफे की होती है। पिछले साल की बात करें तो सोयाबीन की फसल बहुत अच्छी थी। बढ़त भी अच्छी हुई थी, लेकिन अफलन की स्थिति और अन्य कीट व्याधियों के कारण किसानों को काफी नुकसान हुआ था। वहीं दूसरी ओर बारिश का पानी झील वाले खेतों और नदी किनारे के खेतों में पानी भर जाने से भी नुकसान उठाना पड़ा था। जिलेभर में एक लाख हेक्टेयर व बेगमगंज तहसील क्षेत्र में पिछले वर्ष करीब 52000 हेक्टेयर में सोयाबीन बोई गई थी, लेकिन इस बार बीज नहीं मिलने के कारण मुश्किल से कुछ बड़े किसान आठ से 10 हजार हेक्टेयर में ही बोवनी कर पा रहे हैं। पिछले साल के मुकाबले सोयाबीन का रकबा बहुत ज्यादा कम हुआ है वही धान का रकबा बढ़ा है वह भी बोवनी वाली धान का बीज विभिन्ना प्रजातियों को लेकर बोवनी की जा रही है।

- अभी नहीं लिए जा रहे सैंपल-

जब सोयाबीन के बीज की इतनी अधिक किल्लत है तो कृषि विभाग को बाजार में सोयाबीन के बिकने वाले बीच के सैंपल लेकर उसकी जांच करना चाहिए कि प्रमाणित बीज है या नकली। अन्य प्रमाणित बीज बेचा जा रहा है। जब किसान बीज खरीद कर बोनी कर लेगा और बीज नहीं उग पाएगा फिर अधिकारी जांच करते हैं। इससे बेहतर है कि अभी उन्हें जांच करना चाहिए।

- बीज के लिए मारामारी-

खरीफ की फसल के लिए किसानों को तहसील में बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण अभी आसपास की तहसीलों में बीज लेने के लिए पहुंच रहे हैं। इसी तरह खाद की किल्लत भी बनी हुई है। जिन किसानों को सोयाबीन की बोनी करना है वे प्रमाणित बीज के लिए भटक रहे हैं।

फैक्ट्रियों, उद्योगों में कार्यरत सभी कर्मचारियों व श्रमिकों को टीका लगवाएं

रायसेन। जिले में 21 जून को कोरोना वैक्सीनेशन का महाअभियान प्रारंभ होगा। कलेक्टर उमाषंकर भार्गव ने मंडीदीप में एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज मंडीदीप की बैठक आयोजित कर फैक्ट्रियों, औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत सभी कर्मचारियों, श्रमिकों तथा उनके परिजनों का वैक्सीनेशन सुनिश्चित कराने के लिए कहा। कलेक्टर भार्गव ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने के लिए जिले में 21 जून से वैक्सीनेशन महाअभियान शुरू हो रहा है। मंडीदीप में भी वैक्सीनेशन सेंटर्स बनाए गए हैं तथा विभिन्ना फैक्ट्रियों में भी शिविर लगाकर वैक्सीन लगाई जाएगी। फैक्ट्रियों के मालिक, अधिकारी यह सुनिष्चित कर लें कि उनके यहां सभी कर्मचारियों, श्रमिकों तथा उनके परिवार के वयस्क सदस्यों ने वैक्सीन लगवा ली है या नहीं। जिन कर्मचारियों, श्रमिकों ने अब तक वैक्सीन नहीं लगवाई है या उनके परिवार के सदस्यों ने भी वैक्सीन नहीं लगवाई है तो वह 21 जून को वैक्सीनेशन सेंटर पर जाकर वैक्सीन लगवा लें।

बाजार में उमड़ी भीड़ से तीसरी लहर आने की आशंका बढ़ी

रायसेन। बाजार में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इस कारण कोरोना की संभावित तीसरी लहर का प्रकोप की आशंका बढ़ गई। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन का टीका लगाने की योजना है। इस योजना के तहत जिले में 21 जून को कोरोना वैक्सीनेशन का महाअभियान प्रारंभ होगा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, बीएमओ तथा एसडीओपी को वैक्सीनेशन महाअभियान के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि जिले में 21 जून को 30 हजार लोगों को कोविड वैक्सीन लगाने का लक्ष्?य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्ययोजना और समन्वित प्रयासों से इस लक्ष्?य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। कलेक्टर भार्गव ने अधिकारियों से कहा कि सभी की मेहनत, लगन, दूरदृष्टि और समन्वित प्रयासों का ही परिणाम है कि जिले में कोरोना संक्रमण की दर

नियंत्रण में है। आगामी महीनों में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका व्यक्त की जा रही है। हमें इसके लिए अभी से तैयार रहना होगा। लोगों को जागरूक करना होगा, स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन बहुत जरूरी है। वैक्सीन लगने के बाद कुछ लोग संक्रमित हुए हैं, लेकिन वैक्सीनेशन होने की वजह से उन्हें जल्दी रिकवर होने में मदद मिली।

तीसरी लहर आने से पहले वैक्सीनेशन जरूरी

कलेक्टर भार्गव ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर आने से पहले शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जाए। अभियान के अंतर्गत 18 वर्ष आयु के सभी व्यक्तियों को कोरोना का वैक्सीन निश्शुल्क लगाया जाएगा। जितनी अधिक संख्या में वैक्सीनेशन होगा उतना ही अधिक लोग कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन हेतु सकारात्मक माहौल बनाया जाए, लोगों को अभी से जागरूक किया जाए और इसमें वॉलिंटियर्स, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, मैदानी अमला सभी का सहयोग लिया जाए। उन्होंने बीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि वैक्सीनेशन सेंटर पर सभी जरूरी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाएं।

फसलों में सीमित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह

रायसेन। फसलों में सीमित मात्रा में उपयोग करने की सलाह कृषि विज्ञानियों ने दी है। भारत सरकार व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन द्वारा उर्वरकों का संतुलित उपयोग विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का ऑनलाइन कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख, डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. अंशुमान गुप्ता, वैज्ञानिक प्रदीप कुमार द्विवेदी, डॉ. मुकुल कुमार, आलोक सूर्यवंशी, संजीव कुमार सिंह, तकनीकी अधिकारी, इफको प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ती में उर्वरकों की भूमिका, संतुलित उर्वरक प्रबंधन में मृदा परीक्षण की भूमिका, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, ड्रिप सिंचाई पद्धति, फसल प्रबंधन आदि विषयों पर तकनीकी जानकारी दी गई।

संपादकीय

दिल्ली से जीत हासिल कर यूपी लौटे हैं मुख्यमंत्री योगी, अब होंगे यह बड़े बदलाव

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी चुनावी मोड में आ गई है। राज्य में हुए पिछले दो लोकसभा और 2017 के विधान सभा चुनाव में बीजेपी को शानदार जीत दिलाने के रणनीतिकार और तब के पार्टी अध्यक्ष अमित शाह के कंधों पर इस बार भी यूपी में भाजपा का बेड़ा पार करने की जिम्मेदारी डाली गई है। इसी लिए चार साल तक जो कुछ यूपी में चलता रहा, उससे आगे बढ़कर पार्टी आलाकमान ने सोचना शुरू कर दिया है। चुनावी साल में वोट बैंक मजबूत करने के लिए पुराने साथियों को मनाया जा रहा है तो पार्टी के नाराज नेताओं/कार्यकर्ताओं को भी उनकी 'हैसियत' के हिसाब से 'ईनाम' देने की तैयारी कर ली गई है। लम्बे समय से खाली पड़े तमाम आयोगों-बोर्डों आदि

के पद भरे जाएंगे तो कुछ नेताओं को पार्टी में पद देकर नवाजा जाएगा। दिल्ली में मोदी, अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ ऐसे कदम उठाने को तैयार हो गए हैं जिससे मिशन-2022 को पूरा करने में कोई अड़चन नहीं आए। कहा यह भी जा रहा है कि कुछ शर्तों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रिमंडल का विस्तार भी करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया जाएगा जिससे योगी का कद छोटा होता दिखे और विपक्ष को घेरने का मौका मिल जाए। अगर यह कहा जाए कि योगी का दिल्ली दौरा उनके लिए काफी सफल रहा तो इसमें कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी। सूत्र बताते हैं कि दिल्ली दौरे पर गए योगी तब थोड़ा नरम पड़े जब उन्हें इस बात का अहसास करा दिया गया 2022 के विधानसभा चुनाव उनकी अगुवाई में ही होंगे। वह ही स्टार प्रचारक होंगे और वह ही भावी सीएम भी रहेंगे। आलाकमान से इस तरह के आश्वासन मिलने के बाद ही योगी अपने मंत्रिमंडल में कुछ बदलाव करने पर सहमत हुए। वहीं प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी शान में कसीदे पढ़ते दिखे। योगी और पार्टी आलाकमान के बीच आशंकाओं के बादल छंटे तो पार्टी के भीतर से 'ऑल इस वैल' की गूंज सुनाई पड़ने लगी। करीब आधा दर्जन नये मंत्री बनाए जा सकते हैं। दावेदारों में कांग्रेस से बीजेपी में आए जितिन प्रसाद और एमएलसी एके शर्मा के अलावा अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के एक नेता के भी मंत्री बनाए जाने की चर्चा हैं। एक-दो मंत्री योगी की पंसद के भी बनाए जायेंगे। चुनावी साल में यूपी में चार एमएलसी सीटें खाली हो रही हैं।

MSP बढ़ाने की घोषणा अच्छा कदम, तय मूल्य पर अनाज की खरीद भी सुनिश्चित करे सरकार

खरीफ फसलों की एमएसपी की घोषणा करते हुए सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के मुताबिक काश्तकारों को लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक रिटर्न दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। सरकार ने खरीफ फसलों की एमएसपी में अच्छी खासा बढ़ोतरी की है और तिल की फसल की एमएसपी तो 452 रुपये बढ़ा दी है। इसे सकारात्मक दिशा में बढ़ा हुआ कदम माना जाना चाहिए। हालांकि सरकार ने दलहनी फसलों की एमएसपी में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर दलहनी फसलों के प्रति काश्तकारों को प्रेरित करने का प्रयास किया है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

खरीफ फसलों की एमएसपी की घोषणा करते हुए सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के मुताबिक काश्तकारों को लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक रिटर्न दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। %सरकार ने खरीफ फसलों की एमएसपी में अच्छी खासा बढ़ोतरी की है और तिल की फसल की एमएसपी तो 452 रुपये बढ़ा दी है। इसे सकारात्मक दिशा में बढ़ा हुआ कदम माना जाना चाहिए। हालांकि सरकार ने दलहनी फसलों की एमएसपी में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर दलहनी फसलों के प्रति काश्तकारों को प्रेरित करने का प्रयास किया है। पिछले सात महीनों से चल रहे किसान आंदोलन को देखते हुए यह सरकार का सकारात्मक निर्णय माना जा सकता है। 2004 में एमएस स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फार्मूला सुझाया था कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए खरीफ एमएसपी की घोषणा मानी जा सकती है।

हालांकि अभी यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है कि सरकार ने जो एमएसपी की घोषणा की है उसका पूरा-पूरा लाभ काश्तकारों को कैसे मिले। इसके लिए घोषित एमएसपी के स्तर पर मण्डियों में भाव आते ही स्वतः खरीद की व्यवस्था हो तभी किसानों को इसका लाभ मिल सकता है नहीं तो यह सब कागजी घोषणाएं रह जाती हैं और सरकार की घोषणाओं का फायदा आम किसान को नहीं मिल कर बिचौलियों को मिल जाता है और किसान ठगा का ठगा रह जाता है। देखा जाए तो हिन्दुस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के देशों में इस कोरोना महामारी के दौर में कृषि ही बड़ा संबल रही है। जब सबकुछ ठहर गया तब खेती किसानी ही ऐसी रही जो लगातार पूरे दमखम से चलती रही और अच्छे उत्पादन से अर्थव्यवस्था को राहत दी तो दूसरी और अन्नदाता की मेहनत का परिणाम रहा कि कहीं पर भी खाद्य पदार्थों को लेकर कोई समस्या नहीं आई। हमारी अर्थव्यवस्था को तो बचाने में खेती किसानी की खास भूमिका रही तो देशभर में कहीं भी अन्नधन की कोई कमी नहीं रही। हालांकि आज दलहन-तिलहनों के भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही हैं और लोगों के दैनिक जीवन पर यह महंगाई भारी पड़ रही है। पर सबसे खास बात यह कि कोरोना लॉकडाउन और अनलॉक अवधि में भी करोड़ों लोगों को सरकार द्वारा निःशुल्क अनाज वितरित किया गया है और यह सब अच्छे मानसून और हमारे अन्नदाता की मेहनत का परिणाम है। किसानों को कम से कम उनकी लागत का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में पहली बार 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की ओर कदम बढ़ाए। केन्द्र सरकार द्वारा सीएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी।

आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी फसलें, 7 तिलहनी फसलों, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय करने की पहल की है तो अब हरियाणा सरकार भी केरल की तरह सब्जियों का बेस मूल्य तय करने पर विचार कर रही है। आज किसान आंदोलन का केन्द्रीय बिन्दु एमएसपी ही है। नए कानून में किसानों को अपनी उपज कहीं भी बेचने के लिए स्वतंत्र करने से आंदोलनकारियों को लग रहा है कि मण्डी व्यवस्था प्रभावित होगी पर सरकार ने कई मंचों व कई बार यह स्पष्ट कर दिया है कि मण्डी व्यवस्था भी रहेगी तो एमएसपी व्यवस्था भी जारी रहेगी और इस विषय में किसी तरह का संदेह नहीं किया जाना चाहिए। एमएसपी पर खरीद व्यवस्था का विश्लेषण किया जाए तो कुछ दशकों पहले तक स्थितियां बिल्कुल अलग थीं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारू संचालन और बाजार पर नियंत्रण के लिए गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है, देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फेडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं के माध्यम से व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत की जाती रही है। एक समय था जब सरकारी खरीद की घोषणा होने मात्र से बाजार में जिंसों के भाव बढ़ जाते थे तो 25 से 30 प्रतिशत सरकारी खरीद से भाव एमएसपी स्तर पर आ जाते थे। पर पिछले एक दशक से ऐसा लगता है जैसे एमएसपी व्यवस्था पर व्यापारी काबिज हो गए हैं और इसको इस तरह से समझा जा सकता है कि कई खरीद केन्द्रों पर तो वहां उत्पादित कुल फसल से भी अधिक खरीद देखने को मिल जाती है। एमएसपी खरीद व्यवस्था में अब निजी खरीददारों की भागीदारी बढ़ गई है।

इस आरोप को सिरे से नकारा नहीं जा सकता कि छोटे किसानों से उनकी फसलों को कम दामों में खरीद कर उनके नाम से एमएसपी पर खरीद केन्द्रों पर बेच कर किसान के नाम पर उसका लाभ बिचैलिए लेने लगे हैं। हालांकि पिछली रबी में एक शुभ संकेत देखने को मिला है कि अधिकांश फसलों के भाव एमएसपी से अधिक देखे गए हैं। जिस तरह से एमएसपी की घोषणा की गयी है उसी तरह से एक व्यवस्था भी सुनिश्चित हो जानी चाहिए कि मण्डियों में आवक के साथ ही भाव एमएसपी से कम हो तो तत्काल सरकारी खरीद शुरू हो जाए तभी इसका लाभ किसानों को सही रूप में मिल सकता है। समय पर खरीद और माफी जैसी योजनाओं के स्थान पर अनुदानित खाद-बीज उपलब्ध कराए जाएं तो देश का अन्नदाता विकास की नई इबारत लिखने में सक्षम हो सकेगा। अन्नदाता को एमएसपी का लाभ दिलाना सरकारों का दायित्व है तो व्यवस्था को प्रभावित करती बाजार ताकतों को भी व्यवस्था से हटाने का दायित्व सरकारों का हो जाता है।

अरावली वन क्षेत्र को खाली कराने के आदेश का पालन करना बहुत कठिन कार्य है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली पहाड़ी के वन-क्षेत्र की रक्षा के लिए कठोर फरमान जारी कर दिया है। उसने फरीदाबाद के जिला अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे डेढ़ माह में उन सब 10 हजार कच्चे-मकानों को ढहा दें, जो अरावली के खोरी गांव के आस-पास बने हुए हैं। ये मकान अवैध हैं। लगभग 100 एकड़ वन्य क्षेत्र में बने ये मकान पंजाब भू-रक्षण अधिनियम 1900 के विरुद्ध हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में वृक्ष आदि उगाने के अलावा कोई और काम नहीं हो सकता। इन मकानों में रहने वाले हजारों लोगों को कुछ फर्जी ठेकेदारों ने नकली कागज पकड़ाकर प्लॉट बेच दिए। इन मकानों में रहने वाले लोग ज्यादातर वे हैं, जो आस-पास की पत्थर-खदानों में मजदूरी करते थे। अब जब से खदानें बंद हुई हैं, ये लोग आस-पास के मोहल्लों में मजदूरी करके अपनी गुजर-बसर करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी सरकार को आदेश दिया था कि वह जंगल की इस ज़मीन को खाली करवाए लेकिन उस पर बहुत कम अमल हुआ। पिछले साल तीन सौ मकान गिराए गए लेकिन सरकारी कर्मचारियों

पर लोगों ने पत्थर बरसाए और उनका सारा अभियान ठप्प कर दिया। इस बार सरकार ने जिला प्रशासन को सख्त हिदायत दी है और कर्मचारियों की पूर्ण सुरक्षा का आदेश भी दिया है। इन 10 हजार कच्चे-पक्के मकानों के अलावा अरावली के वन्य-क्षेत्रों जैसे रायसीना, गैरतपुर बास, सांप की नांगली, दमदमा, सोहना, ग्वालपहाड़ी, बंधवाड़ी आदि में देश के करोड़पतियों और नेताओं ने अपने आलीशन फार्म हाउस बना रखे हैं। क्या वे भी नष्ट किए जाएंगे ? यदि हां तो यह तो उनका बड़ा नुकसान होगा लेकिन इसके लिए वे ही जिम्मेदार हैं। इससे भी बड़ा नुकसान यह होगा कि कच्चे-मकानों वाले हजारों लोग सड़क पर आ जाएंगे। इस भयंकर गर्मी में वे अपना सिर कहां छिपाएंगे ? उनके लिए सरकार कोई वैकल्पिक व्यवस्था करे, यह जरूरी है। हालांकि अदालत ने वैकल्पिक व्यवस्था करवाने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया है। लेकिन सरकार संबंधित भूमाफिया लोगों को गिरफ्तार क्यों नहीं कर सकती ? उनकी संपत्तियां जब्त क्यों नहीं कर सकती ? उस पैसे को पुनर्वास में क्यों नहीं लगा सकती ? इसके अलावा अदालत और सरकार का यह कर्तव्य है कि वे हरियाणा सरकार और वन-विभाग के उन अफसरों को दंडित करें, जिनके कार्यकाल में ये अवैध-निर्माण हुए हैं। उनकी संपत्तियां जब्त की जाएं, जो सेवानिवृत्त हो गए हैं, उनकी पेंशन भी रोकी जाए और जो अभी सेवा में हों, उन्हें पदमुक्त किया जाए। यह अवैध काम सिर्फ हरयाणा में ही नहीं हुआ है। यह देश के हर इलाके में धड़ल्ले से हो रहा है। यह सही मौका है, जबकि अपराधियों को इतनी कड़ी सजा दी जाए कि भावी अपराधियों की रुह कांपने लगे।

महामारी के बुरे दौर में भी अर्थव्यवस्था को संभालने में सफल रही मोदी सरकार

प्रह्लाद सबनानी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार लगातार प्रयास करती रही है कि कृषि क्षेत्र को अपने पैरों पर खड़ा किया जाये एवं कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाया जाये ताकि देश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित बने और इसके लिए कई उपाय भी किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही, जनवरी-मार्च 2021 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही, अप्रैल-जून 2020 में देश में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आंकी गई थी। यह देश में कोरोना महामारी के प्रारम्भ का समय था एवं देश में लॉकडाउन लगाया गया था जिससे देश में आर्थिक गतिविधियां, कृषि क्षेत्र को छोड़कर, लगभग थम-सी गई थीं। देश की 60 प्रतिशत से अधिक अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर स्पष्टतः दिखाई दिया था। जुलाई-सितम्बर 2020 तिमाही में भी अर्थव्यवस्था

में संकुचन दिखाई दिया था। परंतु तीसरी तिमाही अक्तूबर-दिसम्बर 2020 में अर्थव्यवस्था वापस पटरी पर आती दिखाई दी थी और अब तो चौथी तिमाही में 1.6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर ली गई है। विश्व में भारत उन बहुत कम महत्वपूर्ण एवं बड़े देशों में शामिल है जिनकी अर्थव्यवस्थाओं ने वित्तीय वर्ष 2020-21 की द्वितीय अर्धवार्षिकी में सकारात्मक विकास दर को हासिल कर लिया है। इसके बावजूद वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 7.3 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है।

अमेरिकी वैज्ञानिक का दावा

इंसान के दिमाग को पढ़ने वाला हेलमेट तैयार

- ट्रायल सफल रहा, 37 लाख रुपए कीमत के साथ जल्द ही मार्केट में उतारा जाएगा

अमेरिकी वैज्ञानिक ने ऐसा हेलमेट तैयार किया है तो इंसान का दिमाग पढ़ने में सक्षम है। हेलमेट तैयार करने वाले बायोहैकर ब्रायन जॉनसन का कहना है, इंसान के दिमाग में क्या चल रहा है, उसकी तस्वीर दिखाने में यह हेलमेट असरदार है। उम्मीद है 2030 तक ऐसे सेंसर वाले हेलमेट बनाए जा सकेंगे जो स्मार्टफोन से ज्यादा महंगे नहीं होंगे। फिलहाल वर्तमान में तैयार एक हेलमेट की कीमत 37 लाख रुपए है।

मेंटल डिसऑर्डर के मरीजों को मिलेगी मदद: ब्रायन का कहना है, इस हेलमेट को जल्द ही मार्केट में उतारा जाएगा। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए वरदान साबित होगा जो मानसिक रोगी हैं या स्ट्रोक के मरीज हैं। यह मस्तिष्क के न्यूरॉन्स की एनालिसिस करता है और दिमाग की हर गतिविधि को अनगिनत समय तक पढ़ सकता है।

इंसानी दिमाग को AI से जोड़ने का लक्ष्य था

कैलिफोर्निया के स्टार्टअप कर्नल के फाउंडर ब्रायन जॉनसन का कहना है, हम लम्बे समय से ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे जिससे इंसान के दिमाग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ सकें। वो सफर पूरा हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जॉनसन ने दो हेलमेट तैयार किए हैं। एक हेलमेट का कोडनेम फ्लो और दूसरे का फ्लक्स है। वैज्ञानिक का दावा है कि इनका ट्रायल भी हो चुका है, जो सफल रहा है।

ऐसे काम करता है हेलमेट

इंसान के दिमाग में क्या चल रहा है, इसे समझने के लिए दोनों हेलमेट अलग-अलग तरह से काम करते हैं। फ्लो हेलमेट ब्रेन में मौजूद खून के ऑक्सीजन को मापने के लिए लेजर लाइट का प्रयोग करता है। वहीं, फ्लक्स हेलमेट मैगनेट-एनसेफेलोग्राफी प्रक्रिया पर काम करता है।

चीनी वैज्ञानिकों का चौंकाने वाला खुलासा

जिराफ से भी लम्बे होते थे गैंडे, इनका वजन 4 अफ्रीकी हाथियों के बराबर था; चीन में मिले विशाल गैंडों के जीवाश्म

कभी गैंडे जिराफ से भी लम्बे होते थे, चीन में इसके प्रमाण भी मिले हैं। उत्तरी-पश्चिमी चीन के शोधकर्ताओं ने विशाल गैंडों की ऐसी प्रजाति के जीवाश्म खोजे हैं जो जिराफ से भी लम्बे थे। वैज्ञानिकों का कहना है, 2.65 करोड़ साल पहले ये धरती पर चहलकदमी करते हुए पाए जाते थे।

21 टन था वजन

चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंस के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इन विशाल गैंडों को पैरासेराथेरियम लिनक्सियान्स के नाम से जाना जाता है। इनका वजन करीब 21 टन था, जो 4 अफ्रीकी हाथियों के बराबर था।

7 मीटर तक पहुंच सकता था सिर: कम्युनिकेशन बायलॉजी जर्नल में पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक, ये गैंडे बिना सींग वाले थे और इनका सिर पेड़ों से पत्तियां खाने के लिए 7 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच सकता था। चीन के गांसू प्रांत में मिली विशाल गैंडे की खोपड़ी और जबड़ों की हड्डियां की जांच की गई। जांच में सामने आया कि ये ओलिगोसीन युग के अंतिम दौर की है।

पाकिस्तान में पाया जाता था लचीली गर्दन वाला गैंडा: शोधकर्ताओं का कहना है, जीवाश्म में मिली एटलस और एक्सिस बोन से पता चलता है कि गैंडो की उम्र लम्बी और लचीली थी। इनकी जीनोमा रिपोर्ट कहती है, यह अलग तरह की प्रजाति थी जो पश्चिमी पाकिस्तान में पाई जाती थी। हालांकि, ये पूरे एशिया में फैले हुए थे। रिसर्च के मुताबिक, प्रागैतिहासिक काल में यह मंगोलियन पठार से पूरे दक्षिण एशिया में फैल गए।

अमेरिकी वैज्ञानिकों का प्रयोग

स्मार्टफोन के कैमरे से देख सकेंगे मुंह के बैक्टीरिया

- घर पर ही जुबान को स्कैन करें और देखें बैक्टीरिया है या नहीं

अब मोबाइल फोन के कैमरे से भी बैक्टीरिया का पता लगाया जा सकता है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने मोबाइल कैमरे में बदलाव किया और इसे एलईडी ब्लैक लाइट से जोड़ा। इस कैमरे से इंसान की जुबान को स्कैन किया गया। इस दौरान दांतों के बैक्टीरिया चमकते हुए नजर आए। इसकी मदद से एक्ने के बैक्टीरिया भी देखे जा सकते हैं।

घर पर कर सकेंगे जांच

इसे तैयार करने वाली वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का कहना है, स्मार्टफोन दुनियाभर में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यह लोगों के बजट में हैं और उनके लिए बैक्टीरिया की जांच करना आसान है। इस डिवाइस की मदद से घर पर लोग जान सकेंगे बैक्टीरिया है या नहीं। शोधकर्ता डॉ. रुईकैंग वैंग का कहना है, स्किन और मुंह के बैक्टीरिया हमारे स्वास्थ्य पर असर डालते हैं। दांत और मुंह के मसूढ़ों के बैक्टीरिया घाव को भरने की रफ्तार को धीमा करते हैं।

बैक्टीरिया का ऐसे पता लगाते हैं

बैक्टीरिया की जांच के लिए 3डी रिंग वाले मोबाइल कैमरे में 10 एलईडी लाइट लगाई गईं। शोधकर्ताओं का कहना है, बैक्टीरिया खास तरह की तरंगें छोड़ता है, इसलिए यह आम मोबाइल कैमरे से पकड़ में नहीं आता। लेकिन ब्लैक एलईडी लाइट से इनकी तरंगों का पता लग जाता है। साबित हो जाता है कि बैक्टीरिया मौजूद है।

स्किन पर अधिक दिखते हैं बैक्टीरिया

शोधकर्ता डॉ. किंगहुआ का कहना है, एलईडी लाइट जलने पर बैक्टीरिया से निकलने वाला खास तरह का मॉलीक्यूल (पोरफायरिन) लाल चमकदार सिग्नल देता है। इसे स्मार्टफोन का कैमरा कैप्चर कर लेता है। डॉ. किंगहुआ कहते हैं, जब स्किन के घाव नहीं भरते हैं तब पोरफायरिन मॉलीक्यूल अधिकतर स्किन पर देखा जा सकता है क्योंकि कई बैक्टीरिया

प्लास्टिक वेस्ट अब बेकार नहीं

दुनिया में पहली बार प्लास्टिक के कचरे से बनाया गया वनीला फ्लेवर

इसका इस्तेमाल फूड और फार्मा इंडस्ट्री में हो सकेगा

वैज्ञानिकों ने पहली बार प्लास्टिक के कचरे से आइसक्रीम में मिलाया जाने वाला वनीला फ्लेवर तैयार किया है। इसे तैयार करने में जेनेटिकली मोडिफाइड बैक्टीरिया का इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक को वनीला (वेनिलीन) में कन्वर्ट करने वाली एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर जोएना सैडलर का कहना है, प्लास्टिक के कचरे से बहुमूल्य केमिकल बनाने का यह पहला उदाहरण है।

प्लास्टिक कचरा अब बेकार नहीं

एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के स्टीफन वॉलेस का कहना है, हमारी रिसर्च उस सोच को चुनौती देती है जो मानते हैं प्लास्टिक का कचरा एक समस्या हैं। यह कार्बन का नया सोर्स है जिससे कई उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। वनीला फ्लेवर कैसे बना और यह कितने काम का है ग्रीन केमिस्ट्री जर्नल में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, सबसे पहले वैज्ञानिकों ने ई-कोली बैक्टीरिया के जीनोम में बदलाव किया। फिर प्लास्टिक से तैयार टेरिप्थेलिक एसिड को बैक्टीरिया की मदद से 79 फीसदी तक वेनिलीन में बदला। वैनिलीन का इस्तेमाल खाने-पीने की चीजों के अलावा कॉस्मेटिक में किया जाता है। इसके अलावा फार्मा इंडस्ट्री, साफ-सफाई करने वाले प्रोडक्ट और हर्बीसाइड को तैयार करने में भी होता है। दुनियाभर में वनीला बीन्स की डिमांड बढ़ रही है। 2018 में डिमांड 37 हजार टन थी, जो सप्लाई के मुकाबले कहीं अधिक ज्यादा थी। कई प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होने के कारण इसकी मांग अधिक है। दुनियाभर में सप्लाई होने वाले वेनिलीन का 85 फीसदी हिस्सा जीवाश्म ईंधन से तैयार किया जाता है। शेष 15 फीसदी दूसरे तरीकों से बनाया जाता है। मात्र 14 फीसदी प्लास्टिक रिसायकल होता है दुनिया में हर मिनट 10 लाख बोतलें बेची जाती हैं। इसमें से मात्र 14 फीसदी ही रिसायकल की जाती हैं। वर्तमान में रिसायकल की जाने वाली बोतलों से कपड़े और कार्पेट ही तैयार किए जा सकते हैं। लेकिन नई खोज के बाद अब वनीला फ्लेवर भी बनाया जा सकेगा। वेनिलीन तैयार करने वाले वैज्ञानिकों का मानना है कि अब बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के कचरे पर काम किया जा सकेगा। इससे तैयार होने वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल परफ्यूम में भी किया जा सकेगा।

नींद टूटने की वजह म्यूजिक तो नहीं

सोने से पहले गाना सुनने की आदत नींद में खलल पैदा करती है, शोधकर्ताओं का दावा

बंद होने के बाद भी गाने दिमाग में घूमते रहते हैं

वाशिंगटन। अमेरिका की बेलर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का दावा ज्यादातर लोग रात में सोने से पहले म्यूजिक सुनना पसंद करते हैं। नई रिसर्च कहती है, ऐसे लोगों को नींद न आने या नींद टूटने की शिकायत हो सकती है। शोधकर्ताओं का कहना है, जब हम रात में गाने सुनते हैं तो ये दिमाग में घूमते रहते हैं। गाना बंद होने के बाद भी दिमाग में इसके चलने का अहसास होता है। यह स्थिति नींद में बाधा पैदा करती है या आधी रात को नींद टूटने की वजह बनती है।

ऐसे आया रिसर्च का ख्याल

रिसर्च करने वाली अमेरिका की बेलर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता माइकल स्कुलिन का कहना है, एक दिन रात में एक गाना उनके दिमाग में अचानक घूमने लगा, इसके कारण आधी रात को उनकी नींद टूट गई। उन्होंने महसूस किया कि एक गाना आपके नींद की प्रक्रिया को डिस्टर्ब कर सकता है। इसी दौरान तय किया कि गाना सुनने और नींद के बीच कनेक्शन को समझने की कोशिश करेंगे।

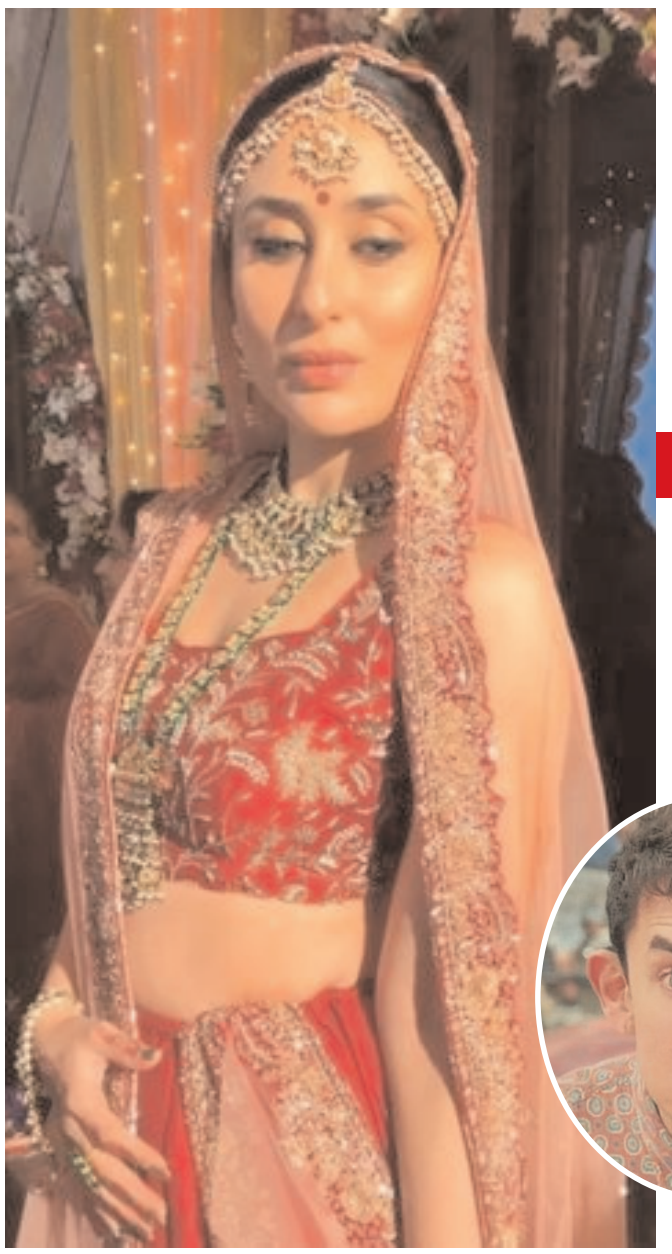

विवादों में एक्टर्स

सीता के रोल के लिए विवादों से घिरीं करीना कपूर खान

अपने ऑनस्क्रीन किरदारों के चलते इन सेलेब्स को भी झेलनी पड़ी आलोचना

डायरेक्टर अलौकिक देसाई जल्द ही फिल्म सीता बनाने जा रहे हैं जिसमें लीड रोल निभाने के लिए करीना कपूर खान का नाम सामने आ रहा है। खबरें ये भी हैं कि इस रोल के लिए करीना ने 12 करोड़ रुपयों की डिमांड की है, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर करीना को बॉयकोट करते हुए यूजर्स ने #BoycottKareenaKhan ट्रेंड करवा दिया है। यूजर्स का कहना है कि अगर करीना सीता का रोल करती हैं तो यह हिंदू धर्म और माता सीता का अपमान होगा। वहीं कुछ ने लिखा कि तैमूर को जन्म देने वाली करीना सीता नहीं बन सकती।

ये पहली बार नहीं है जब किरदारों के चलते कोई एक्टर विवादों से घिरा है। इससे पहले भी कई एक्टर्स अपने ऑनस्क्रीन रोल के चलते विवादों में आए हैं। आइए जानते हैं वो सेलेब्स कौन से हैं-

आमिर खान

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म पीके कई कारणों से विवादों में रही थी। इस फिल्म में आमिर ने एक एलियन का किरदार निभाया था जो वापस अपने गृह पहुंचने के लिए अपने यंत्र की तलाश में धार्मिक स्थल घूमते हैं। फिल्म में एक सीन दिखाया गया था जिसमें आमिर शिव जी की कॉस्ट्यूम पहने हुए एक आदमी के पीछे दौड़ लगा देते हैं। इस सीन को देखकर लोगों ने उनपर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप लगाए थे। कई धर्म गुरुओं का कहना था कि मनोरंजन के नाम पर फिल्म में देवी देवताओं का मजाक उड़ाया गया है।

सैफ अली खान

अपकमिंग बॉलीवुड फिल्म आदिपुरुष में सैफ अली खान रावण की भूमिका निभाते नजर आएंगे। एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म और अपने किरदार पर बात करते हुए सैफ ने कहा था कि फिल्म में रावण का अच्छा रूप दिखाने की कोशिश की जाएगी। रावण की तरफदारी करने पर सैफ अली खान को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इंटरव्यू सामने आते ही लोगों ने सैफ को बॉयकोट करना शुरू कर दिया था।

भूमि पेडनेकर और तापसी पन्नू

साल 2019 की फिल्म सांड की आंख में तापसी पन्नू और भूमि पेडनेकर ने शूटर दादियों प्रकाश तोमर और चंद्रो तोमर का किरदार निभाया था। इन किरदारों के लिए दोनों एक्ट्रेस को प्रोस्थेटिक मेकअप के जरिए बुजुर्ग दिखाया गया था जिसकी लोगों ने खूब आलोचना की थी। लोगों का कहना था कि ज्यादा उम्र के किरदार निभाने के लिए सोनी राजदान, नीना गुप्ता जैसी एक्ट्रेस को साइन क्यों नहीं किया गया। इन लोगों में कंगना रनोट भी शामिल थीं, जो लगातार तापसी और भूमि पर निशाने साध रही थीं। बता दें कि इस फिल्म में पहले कंगना को साइन किया जाने वाला था लेकिन अकेले ही फिल्म में लीड रोल निभाना चाहती थीं।

ऋतिक रोशन- भूमि पेडनेकर

सुपर 30 और बाला फिल्म में ऋतिक रोशन और भूमि पेडनेकर को सांवले रंग का दिखाया गया था। दोनों के रंग को मेकअप के जरिए डार्क किया गया था। ऐसे में हर किसी का सवाल ये था डार्क कॉम्प्लेक्शन के किरदारों के लिए उसी रंगत के लोगों को कास्ट क्यों नहीं किया गया था। सुपर 30 में ऋतिक ने आनंद कुमार का रोल निभाया था जिनके फीचर्स काफी हद तक पंकज त्रिपाठी से मिलते थे। लेकिन फिर भी मेकर्स ने स्टारडम के लिए ऋतिक को सांवला बनाकर कास्ट किया था।

शाहिद कपूर- कियारा आडवाणी

साल 2019 की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक कबीर सिंह में शाहिद कपूर का एक वायलेंट रूप देखने मिला था।जहां एक तरफ फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा था वहीं दूसरी तरफ लोगों ने उनके किरदारों की खूब आलोचना की। लोगों का आरोप था कि जिस तरह शाहिद ने एक वायलेंट आशिक को रोल निभाया है उससे समाज में बुरा असर पड़ सकता है। वहीं दूसरी तरफ कियारा आडवाणी के सहमे हुए किरदार पर भी देश की कई महिलाओं ने सवाल खड़े कर दिए थे।

दिशा पाटनी का 29 वां जन्मदिन

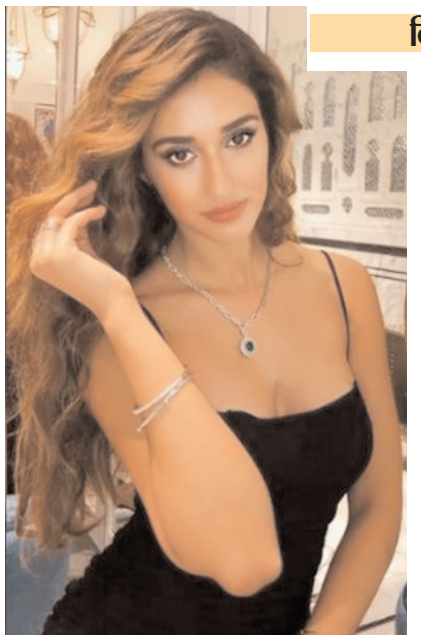

साइंटिस्ट बनने का सपना देखने वाली दिशा पाटनी ने पहले मॉडलिंग में बनाया मुकाम फिर बॉलीवुड में बनाई पहचान

हाल ही में फिल्म राधे योर मोस्ट वांटेड भाई में नजर आईं दिशा पाटनी आज अपना 29 वां जन्मदिन मना रही हैं। उत्तरप्रदेश के बरेली में जन्मीं दिशा पढ़ने में तेज थीं। वे साइंटिस्ट बनने का सपना देखती थीं। लेकिन 2011 में लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी में बायोटेक की पढ़ाई के दौरान उन्होंने मॉडलिंग शुरू की। लखनऊ में कॉलेज के दौरान फेयरवेल पार्टी में दिशा को मिस कॉलेज चुना गया। इसके बाद उन्होंने मिस लखनऊ कॉम्पिटीशन में पार्टिसिपेट किया। मिस लखनऊ बनने के बाद दिशा पैंटालून मॉडल में फर्स्ट रनरअप रहीं। 2013 में उन्होंने फेमिना मिस इंदौर कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट किया। इसमें वे फर्स्ट रनर अप रहीं।

तेलुगु फिल्म से किया डेब्यू

एक्ट्रेस नहीं साइंटिस्ट बनने का सपना देखने वाली दिशा मॉडलिंग में आगे बढ़ती गई तो उन्हें ऐड में भी काम मिलने लगा। 17 साल की उम्र में उन्होंने पहला फोटोशूट कराया था जिसमें वह काफी अलग नजर आईं थीं। 2015 में दिशा कैडबरी डेयरी मिल्क के एक ऐड में नजर आईं। इसी साल उन्होंने एक मोबाइल कंपनी के ऐड में भी काम किया। इसी के बाद तेलुगु फिल्मों के डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ ने उन्हें मूवी लोफर के लिए कास्ट किया। यहीं से दिशा की फिल्मों में एंट्री हुई। दिशा ने हिंदी फिल्मों में डेब्यू 2016 में आई एमएस धोनी द अनटोल्ड स्टोरी से किया।

द फैमिली मैन 2 : सीरीज की एक्ट्रेस प्रियामणि को करना पड़ा बॉडी शेमिंग का सामना

बोलीं- लोगों ने मुझे मोटी, काली और सुअर तक कह दिया

वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 की कास्ट को हाल ही में रिलीज हुए सीजन में उनके शानदार परफॉर्मेंस के लिए खुब सराहा गया है। तारीफों के साथ-साथ, शो की फीमेल लीड प्रियामणि के लिए भी कुछ लोगों ने गलत कमेंट्स किए। एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान, प्रियामणि ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया पर अपने वेट और स्किन कलर को लेकर काफी बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि लोग उन्हें मोटी, काली और सुअर तक कह देते हैं।

प्रियामणि को बॉडी शेमिंग का करना पड़ा सामना

प्रियामणि ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मेरा वजन 65 किलो तक बढ़ गया था और मैं जो अब दिखती हूं, उससे ज्यादा दिखती थी। तो बहुत से लोग कहते थे कि तुम मोटी दिखती हो, तुम बड़ी दिखती हो। आज लोग कह रहे हैं कि तुम पतली क्यों दिख रही हो? हम तुम्हें वैसा ही पसंद करते थे, जैसे तुम पहले दिखती थीं। मैंने उनसे कहा, हेलो, अपनी सोच को बदलो और

एक चीज पर टिको, तुम मुझे पसंद करते थे जब मैं मोटी थी या तुम मुझे अभी पसंद करते हो जब मैं पतली हो गई हूं? मोटा-पतला होना हर इंसान का अलग विचार होता है। तुम्हें क्यों किसी इंसान का बॉडी शेम करना है यह बोलकर कि तुम मोटी दिखती हो या नहीं?

प्रियामणि को स्किन टोन को लेकर भी कई कॉमेंट्स मिले

प्रियामणि ने बताया कि उन्हें स्किन टोन को लेकर भी कई कॉमेंट्स मिले हैं। उन्होंने कहा, ÷लोग कहते थे कि मैं काली दिखती हूं। जवाब में मैंने उनसे कहा कि अगर मैं डार्क स्किन की इंसान हूं तो आप अपनी सोच को बदलो। किसी को काली मत बुलाओ, क्योंकि काला इंसान भी खूबसूरत होता है।

प्रियामणि ने साल 2003 में तेलुगू फिल्म से किया था डेब्यू

प्रियामणि का पूरा नाम प्रिया वासुदेव मणि अय्यर है। उनका जन्म 4 जून 1984 को बेंगलुरु में हुआ था। वो कई साउथ लैंग्वेज फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2003 में उन्होंने तेलुगू फिल्म इवारे अतागाडू से डेब्यू किया था। प्रियामणि ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है।

महंगाई ने बढ़ाई टेंशन: मई में थोक महंगाई दर 12.94% रही, महंगे पेट्रोल-डीजल ने भड़काई आग

मुंबई। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और मैन्युफैक्चरिंग लागत बढ़ने से थोक महंगाई दर रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गई है। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के मुताबिक थोक महंगाई दर मई में 12.94त्न पर पहुंच गई है। यह मई 2020 में -3.37त्न रही थी। मंत्रालय ने सोमवार को मई में थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए। रिटेल महंगाई के आंकड़े भी आज ही जारी होंगे। होल सेल प्राइस इंडेक्स आधारित महंगाई दर लगातार 5वें महीने मई में चढ़ी है। इससे पहले अप्रैल में भी दर 10.49त्न पर रही थी। सरकार की ओर से जारी थोक महंगाई में कहा गया कि क्रूड पेट्रोलियम, मिनिरल ऑयल्स के चलते महंगाई बढ़ी है। क्योंकि इससे पेट्रोल, डीजल, नेप्था और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स महंगे हुए। नतीजतन, पिछले साल की समान अवधि की तुलना में इस साल मई में महंगाई तेजी से बढ़ी। फ्यूल और पावर बास्केट में मई के दौरान महंगाई 37.61त्न बढ़ी है, जो अप्रैल में 20.94त्न बढ़ी थी। वहीं, मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स भी मई में 10.83त्न महंगे हुए हैं। हालांकि, फूड आर्टिकल में महंगाई से राहत मिली है। मई में ये 4.31त्न सस्ते हुए हैं, जबकि प्याज के दाम बढ़े हैं। प्याज के दाम 23.24% बढ़े हैं।

इस साल शेयरों में भारी उछाल: अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में जोखिम

विश्लेषकों ने कहा काफी महंगे हैं शेयर

मुंबई। अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी भले ही एशिया में दूसरे अमीर बिजनेसमैन बन गए हों, लेकिन उनकी कंपनियों के शेयरों में भारी जोखिम दिख रहा है। गौतम अडाणी की संपत्ति उनके कंपनियों के शेयर में आई तेज उछाल के कारण बढ़ी है इससे उनकी नेटवर्थ मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गई है। वर्ष 2021 बिजनेसमैन गौतम अडाणी के लिए जबरदस्त साबित हुआ है। अडाणी की कंपनियों के शेयर में वर्ष 2021 में जोरदार तेजी दिखी है। इससे गौतम अडाणी की संपत्ति इस साल करीब 3.15 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई और वे एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, गौतम अडाणी की कुल संपत्ति 5.60 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। अडाणी टोटल गैस के शेयर इस साल 33 गुना चढ़े हैं। वहीं, अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयर 23 गुना उछले हैं और अडाणी ट्रांसमिशन के शेयर में अब तक 26 गुना की तेजी दर्ज की गई है।

गौतम अडाणी को झटका : अडाणी ग्रुप की कंपनियों के 43500 करोड़ के शेयर फ्रीज

- सेबी की जांच शुरू, निवेशकों को शुरुआती एक घंटे में करीब 50 हजार करोड़ का नुकसान

मुंबई। गौतम अडाणी की कंपनियों के लिए सोमवार की सुबह अच्छी नहीं रही। दरअसल, ग्रुप की 6 लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में 5त्न से लेकर 22त्न तक की गिरावट आई है। इसमें सबसे ज्यादा अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयर टूटे हैं। यह 22त्न टूट कर 1,200 रुपए पर आ गया। शुक्रवार को यह 1,600 रुपए पर बंद हुआ था। इसके बाद बाकी कंपनियों के भी शेयर इसी तरह टूटे। इससे निवेशकों को शुरुआती घंटे में करीब 50,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

3 विदेशी निवेशकों के निवेश पर शक

शेयरों में गिरावट का कारण यह था कि सेबी ने इस ग्रुप की कंपनियों में तीन ऐसे विदेशी निवेशकों को पकड़ा, जिन्हें फर्जी माना जा रहा है। ये तीन निवेशक हैं- अलबुला इन्वेस्टमेंट फंड, क्रेस्टा फंड और क्रस्र् इन्वेस्टमेंट फंड। ये मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुइस के एक ही पते पर रजिस्टर्ड हैं। इनके पास वेबसाइट नहीं है। सेबी ने इन तीनों के निवेश को फ्रीज कर दिया है और जांच शुरू हो गई है।

अडाणी की कंपनियों में हिस्सेदारी

कंपनी	प्रमोटर हिस्सेदारी	एफआईआई हिस्सा	एमकैप
अडाणी इंटरप्राइजेज	74.92%	20.51%	1.38
अडाणी टोटल गैस	56.29%	21.47%	1.70
अडाणी ट्रांसमिशन	74.29%	20.30%	1.67
अडाणी ग्रीन एनर्जी	56.29%	21.47%	1.82
अडाणी पोर्ट	63.74%	17.90%	1.44
अडाणी पावर	74.97%	11.49%	0.54

(एम कैप के आंकड़े लाख करोड़ रुपए में)

कुल निवेश 43,500 करोड़ रुपए

नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड यानी एनएसडीएल के मुताबिक अडाणी की कंपनियों में इन तीनों का कुल निवेश 43,500 करोड़ रहा है। ये अकाउंट इसलिए फ्रीज हुए क्योंकि इनके बारे में सेबी के पास जानकारी नहीं है। साथ ही इन पैसों का मालिक कौन है, यह भी पता नहीं है। इसलिए मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत इन पर कार्रवाई की गई है। हालांकि इसमें अडाणी ग्रुप का कुछ मामला नहीं है, पर उनके शेयरों में यह निवेश है, इसलिए इस ग्रुप के शेयरों में गिरावट दिखी है।

निवेशकों की अडाणी इंटरप्राइजेज में हिस्सेदारी 6.82त्न

इन निवेशकों की अडाणी इंटरप्राइजेज में हिस्सेदारी 6.82त्न है। इसका मूल्य 12,008 करोड़ रुपए है। अडाणी ट्रांसमिशन में 8.03त्न निवेश है और इसका मूल्य 14,112 करोड़ रुपए है। अडाणी टोटल गैस में 5.92त्न निवेश है। इसका मूल्य 10,578 करोड़ रुपए है। जबकि अडाणी ग्रीन एनर्जी में 3.58त्न का निवेश है। इसका मूल्य 6,861 करोड़ रुपए है।

सभी कंपनियों के शेयरों में गिरावट

अडाणी ग्रुप की जिन कंपनियों के शेयरों में सोमवार को गिरावट हुई है, उसमें सभी कंपनियां हैं। इसमें अडाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 5त्न, अडाणी टोटल गैस और अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर 5-5त्न, अडाणी पावर का शेयर 4.96त्न और अडाणी पोर्ट का शेयर 15त्न टूटा है। एक साल में इनका रिटर्न देखें तो अडाणी इंटरप्राइजेज का रिटर्न 12.18 गुना, ग्रीन एनर्जी का 4.5 गुना, अडाणी टोटल गैस का 13.44 गुना, अडाणी ट्रांसमिशन का 8.66 गुना, अडाणी पावर का 4.11 गुना और अडाणी पोर्ट का 3.02 गुना रिटर्न रहा है।

टेलीकॉम: जियो ने लॉन्च किए 5 नए प्रीपेड प्लान

इनमें नहीं रहेगी कोई डेली डाटा लिमिट, मिलेंगी कई खास सुविधाएं

नई दिल्ली। जियो अपने यूजर्स के लिए 5 नए खास प्लान लेकर आया है। इन प्लान्स की खास बात यह है कि इन्हें बिना डेली लिमिट के साथ उतारा गया है। इन प्लान्स में यूजर्स को फिक्स्ड डाटा मिलेगा लेकिन इसमें कोई डेली डाटा की कोई लिमिट नहीं होगी। इसका मतलब यूजर वैलिडिटी पीरियड के दौरान जितने दिन में भी चाहें डाटा को पूरा इस्तेमाल कर सकेगा। इसके अलावा इन प्लान्स में अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग और जियो ऐप्स का फ्री एक्सेस भी मिलेगा। यहां जानें इन प्लान्स के बारे में...

127 रुपए वाला प्लान

इस प्लान के साथ यूजर्स को कुल 12GB डाटा मिलेगा और इस प्लान की वैलिडिटी 15 दिनों की होगी। इसके अलावा रोजाना 100 स्स्र्ह्य और जियो ऐप्स का फ्री एक्सेस मिलेगा।

250 रुपए वाला प्लान

इस प्लान में 30 दिनों की वैलिडिटी के साथ कुल 25त्नक्च मोबाइल डाटा, अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग और प्रतिदिन 100 स्स्र्ह्य ऑफर किए जाते हैं। इस प्लान के साथ भी जियो ऐप्स का फ्री एक्सेस मिल रहा है।

447 रुपए वाला प्लान

इस प्लान के साथ यूजर को 60 दिन की वैलिडिटी के साथ 50त्नक्च डाटा मिलेगा। इसके अलावा इसमें अनलिमिटेड कॉलिंग के साथ रोजाना 100 स्स्र्ह्य और जियो ऐप्स का फ्री एक्सेस भी यूजर्स को इस प्लान के साथ मिलेगा।

597 रुपए वाला प्लान

इस प्लान में आपको 90 दिनों की वैलिडिटी के साथ कुल 75त्नक्च डाटा, अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग, हर रोज 100 स्स्र्ह्य और जियो ऐप्स का मुफ्त एक्सेस मिलेगा।

2397 रुपए वाला प्लान

इस प्लान में आपको 365 दिनों की वैलिडिटी के साथ कुल 365त्नक्च डाटा मिलेगा। इस प्लान में भी आपको अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग, रोजाना 100 स्स्र्ह्य मिलते है। इसमें भी जियो ऐप्स का मुफ्त एक्सेस मिलेगा।

इस हफ्ते महंगे हुए सोना-चांदी:

सोना 450 रुपए बढ़कर 49,028 रुपए पर पहुंचा, चांदी भी 1,972 रुपए महंगी होकर 72 हजार के पार निकली

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस हफ्ते सोना 450 रुपए महंगा होकर 49,028 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। 4 जून को सराफा बाजार में सोना 48,578 रुपए पर था। वहीं चांदी की बात करें तो बीते 1 हफ्ते में चांदी भी 1,972 रुपए महंगी होकर 72,139 हजार रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 28 मई को ये 70,167 रुपए पर थी।

अप्रैल और मई में खूब चमके सोना-चांदी

मई महीने में सोना 2,241 रुपए महंगा हुआ है। 30 अप्रैल को सोना 46,791 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 31 मई का 49,032 रुपए पर पहुंच गया था। वहीं चांदी की बात करें तो 30 अप्रैल को ये 67,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी जो 31 मई को 71,350 रुपए पर पहुंच गई। यानी मई में ही ये 3,550 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले अप्रैल महीने में सोना 2,601 और चांदी 4,938 रुपए महंगी हुई थी।

साल के आखिर तक 57 हजार तक जा सकता है सोना: देश के सबसे बड़े ज्वैलरी संगठन इंडियन बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता के मुताबिक कहते हैं कि कोरोना की दूसरी लहर में सोने में फिर तेजी आ गई है।

कोविड की दूसरी लहर का बुरा असर:

मई में तेल की मांग 9 महीने में सबसे कम स्तर पर पहुंची, 15.1 मिलियन टन की खपत रही

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर का देश में तेल की मांग पर बुरा असर पड़ा है। यही कारण है कि मई में देश में तेल की मांग बीते 9 महीने में सबसे कम स्तर पर पहुंच गई है। तेल मंत्रालय की पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (PPAC) के डाटा के मुताबिक, मई में देश में 15.1 मिलियन टन तेल की खपत रही है। मई 2020 की खराब स्थिति के मुकाबले इसमें 1.5त्न की गिरावट रही है। वहीं, अप्रैल 2021 के मुकाबले तेल की खपत में 11.3त्न की गिरावट रही है।

पिछले साल मई में सख्त लॉकडाउन में था भारत

पिछले साल मई में भारत में दुनिया का सबसे सख्त लॉकडाउन लगा हुआ था। इस कारण देश में सभी मोबिलिटी और आर्थिक गतिविधियां अपने निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। इस साल मई में कोरोना संक्रमण की दर उच्च स्तर पर थी। स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन जैसे प्रतिबंध लागू थे। पिछले साल की तरह पर्सनल मोबिलिटी पर प्रतिबंध नहीं था। फैक्ट्रियां खुली हुई थीं। इसके अलावा राज्यों के बीच कार्गो के आवागमन पर भी कोई प्रतिबंध नहीं था।

DHFL का अधिग्रहण: दीवान हाउसिंग को खरीदने के लिए बार्कलेज-स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से लोन लेगा पीरामल ग्रुप

नई दिल्ली। दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (DHFL) को खरीदने के लिए पीरामल ग्रुप बार्कलेज बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से लोन लेगा। इसको लेकर पीरामल ग्रुप का दोनों बैंकों के साथ समझौता हो चुका है। दिवालिया प्रक्रिया के तहत पीरामल ग्रुप ने DHFL को खरीदने के लिए 37,250 करोड़ रुपए का ऑफर दिया था। पीरामल ग्रुप के रेजोल्यूशन प्लान को हाल ही में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) ने मंजूरी दी है। पीरामल ग्रुप ने कुल 37,250 करोड़ रुपए का रेजोल्यूशन प्लान पेश किया है। इसमें 14,700 करोड़ रुपए का

अपफ्रंट कैश, 3,000 करोड़ रुपए का एंटाइटलमेंट और 19,500 करोड़ रुपए की डेट सिक्युरिटीज शामिल हैं। डेट सिक्युरिटीज का भुगतान 10 साल में किया जाएगा। पीरामल ग्रुप की बैलेंस शीट के अनुसार, 31 मार्च 2021 को कंपनी के पास 5,400 करोड़ रुपए का कैश उपलब्ध था। जानकारी के मुताबिक, पीरामल ग्रुप बार्कलेज बैंक और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से 15 हजार करोड़ रुपए का लोन लेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीरामल ग्रुप को पिछले साल अक्टूबर में ही बार्कलेज बैंक से 4,500 करोड़ रुपए का सपोर्ट लेटर मिल चुका है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)